Self respect

09-08-2014

- ✓अब भगवान् तो है निराकार । मुरली बजाते हैं साकार रथ द्वारा । उनका नाम रखा है भाग्यशाली रथ । यह तो कोई भी समझ सकते हैं । इसमें बाप प्रवेश करते हैं, यह तो तुम बच्चे ही समझते हो । और तो कोई न रचता को, न रचना के आदि-मध्य-अन्त को जानते हैं ।
- ✓समझाते हैं-हे बच्चों, हे आत्माओं, तुम अपने को आत्मा समझो । आत्मा नाम तो कॉमन है । महान् आत्मा, पुण्य आत्मा, पाप आत्मा कहा जाता है । तो आत्मा को परमपिता परमात्मा बाप भी समझा रहे हैं । बाप क्यों आयेंगे? जरूर बच्चों को वर्सा देने लिए । फिर सतोप्रधान नई दुनिया में आना है ।

- ✓अभी तुम बच्चे शूद्र से ब्राह्मण बने हो । फिर तुमको ब्राह्मण से देवता बनाने आया हूँ ।
- ✓जो पहले-पहले आये हैं, वही 84 जन्म लेते हैं । पहले तो यही लक्ष्मी-नारायण आते हैं । यहाँ तुम आते ही हो नर से नारायण बनने के लिए । कथा भी सत्य नारायण की सुनाते हैं ।
- ✓यह सब बातें कोई मनुष्य नहीं जानते । कल्प पहले यह सब बातें जिनकी बुद्धि में बैठी होगी उनकी ही बुद्धि में बैठेगी ।

✓तो मनुष्य को नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनाने की यह बड़ी गॉडली युनिवर्सिटी है अथवा ईश्वरीय विश्व विद्यालय है । विश्व विद्यालय तो बहुतों ने नाम रखे हैं । वास्तव में वह कोई वर्ल्ड युनिवर्सिटी है नहीं । युनिवर्स तो सारी विश्व हो गई । सारे विश्व में बेहद का बाप एक ही कॉलेज खोलते हैं । तुम जानते हो विश्व में पावन बनने की विश्व-विद्यालय केवल यह एक ही है, जो बाप स्थापन करते हैं ।

✓हम ब्रह्माकुमार-कुमारियां हैं । शूद्र से ब्राह्मण बन देवता बनते हैं । बाप इस ब्राह्मण कुल और सूर्यवंशी-चन्द्रवंशी कुल की स्थापना करते हैं । इस समय तो सब शूद्र वर्ण के हैं । सतयुग में देवता वर्ण के थे फिर क्षत्रिय, वैश्य वर्ण के बने ।

✓ब्रह्मा द्वारा स्थापना, किसकी? ब्राह्मणों की । फिर उन्हों को शिक्षा दे देवता बनाते हैं । हम बाप से पढ़ रहे हैं । उन्होंने भगवानुवाच तो लिख दिया है अर्जुन प्रति । अब अर्जुन कौन था, किसको पता नहीं । तुम जानते हो हम ब्रह्मा की औलाद ब्राह्मण हैं ।

✓प्रजापिता ब्रह्या के तो बच्चे हो ना । ब्रह्माकुमार-कुमारी कहलाते हो । हम ब्रह्मा के बच्चे हैं । तो जरूर ब्रह्मा याद आयेगा । शिवबाबा ब्रह्मा तन से पढ़ाते हैं । ब्रह्मा बाबा हैं बीच में । ब्राह्मण बनने बिगर देवता कैसे बन सकेंगे ।

✓वरदान: ज्ञान रत्नों को धारण कर व्यर्थ को समाप्त करने वाले होलीहंस भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |